अमन के हम रखवाले

हम कोरीया में हम हैं हिंदोस्तान में
हम रुस में हैं चीन में जपान में
हम अमरीका में हम हैं पाकिस्तान में,
हम हैं दुनिया के हर सच्चे इंसान में,
हम क्या गोरे क्या काले सब एक हैं एक हैं

हम जुल्म से लडने वाले सब एक हैं एक हैं,
अमन के हम रखवाले सब एक हैं एक हैं

हम बच्चों की मुस्कान बेचते नहीं,
हम मां ओं के अरमान बेचते नहीं
इस अ‍ॅटम के और दौलत के बाजार में,
हम इंसानो की जान बेचते नहीं
आजादी के मतवाले सब एक हैं एक हैं
हम जुल्म से..........

हम अजंता और ताज के फनकार हैं,
हम पॅरीस के और रोम के शृंगार हैं.
हम हंसते–गाते कारखानों के गीत हैं,
हम चलती–फिरती सडकों की रफ्तार हैं
हम जीवन के उजियारे सब एक हैं एक हैं,
हम जुल्म से..........

इन बस्तीयों को जगमगाना हैं सदा,
इन खेतों को लहलहाना हैं सदा
उठाओ साथ गाओ गीत अमन के,
के जिंदगी के गीत गाना हैं सदा
हम मौत पे हंसने वाले सब एक हैं एक हैं,
हम जुल्म से..........